l¦îkk ....

शिक्षाशास्त्रिप्रवेशपरीक्षा–2006

PRE SHIKSHA SHASTRI TEST-2006

मार्गदर्शिका

PROSPECTUS

श्रीलालबहादुरशास्त्रीराष्ट्रियसंस्कृतविद्यापीठम्

(मानितविश्वविद्यालयः)

कुतुबसांस्थानिककक्षेत्रम्, नवदेहली–110016

SHRI LAL BAHADUR SHASTRI RASHTRIYA SANSKRIT VIDYAPEETHA

(DEEMED UNIVERSITY)

QUTUB INSTITUTIONAL AREA, NEW DELHI-110016.

www.slbsrsv.ac.in email : info@slbsrsv.ac.in

मूल्यम्ः 550/– रूप्यकाणि — **Price : Rs. 550/-**

धनादेशपत्रम् : 600/–रूप्यकाणि*(डाकद्वारा)* — **By Post: Rs. 600/-**

अवधेयम्–

परीक्षातिथिः	**27–05–2006**
मार्गदर्शिकाया उपलब्धेः तिथिः	**03–04–2006 तः 05/05/2006**
विद्यापीठे पूरितावेदनपत्रप्रदानस्य अन्तिमा तिथिः	**05/05/2006**

(प्रातः 11:00 वादनतः सायं 4:00 वादनं यावत्)

निर्देशः–

(अभ्यर्थी स्वयं समागत्य डाकद्वारा वा मार्गदर्शिकासम्बद्धम् आवेदनपत्रं प्रवेशपत्रं संगणकपत्रञ्च स्वयमेव प्रपूर्य कार्यालये प्रापयितुं शक्नोति।)

आवेदनपत्रेण सह आवश्यकानि प्रपत्राणि प्रेषणीयानि–

(क) आरक्षितवर्गसूचकं प्रमाणपत्रम् (केवलम् आरक्षितवर्गसम्बद्धानां कृते)।

(ख) अभ्यर्थिना निर्दिष्टमूल्यात्मकटिकटसहितं वर्तमानपत्रसङ्केतं विलिख्य निर्धारितपत्रपुटकम् अवश्यं प्रेषणीयम्।

(ग) जन्मतिथिप्रमाणपत्रम्।

विशेषतोऽवधेयम्

* अन्तिमतिथेः अनन्तरम् आवेदनपत्रं न स्वीकरिष्यते।
* डाकविलम्बाय विद्यापीठम् उत्तरदायि नास्ति।
* प्रवेशार्हताभावे आवेदनपत्रं/प्रवेशो वा निरस्तो भविष्यति।
* आवेदनपत्रं स्वयमेव पूरणीयम्।
* अध्ययनकालः 15 वर्षात्मकः आवश्यकः।
* कस्मिंश्चिद् विवादे सति राष्ट्रियराजधानीदिल्लीक्षेत्रस्य न्यायालय एव विवादनिराकरणं करिष्यति।

विद्यापीठे सम्पर्कार्थं सङ्केताः

दूरभाषसङ्केतः ✆	26851254, 26868274
फैक्ससङ्केतः ☎	26533512
वेबसाइटसङ्केतः	www.slbsrsv.ac.in
ई-मेल सङ्केतः	info@slbsrsv.ac.in

परिचय

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ भारत की राजधानी दिल्ली में संस्कृत विद्याकेन्द्र के रूप में एक अग्रणी संस्था है। केन्द्रीय सरकार के अन्तर्गत यह एक मानित विश्वविद्यालय है, जिसे मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् तथा भारत सरकार के कार्मिक तथा पेंशन विभागीय मन्त्रालय ने मान्यता प्रदान की है।

इस विद्यापीठ के अन्तर्गत आधुनिक ज्ञान–विज्ञान सम्प्रदाय का शिक्षाशास्त्र विभाग एक महत्त्वपूर्ण विभाग के रूप में सन् 1964 से सञ्चालित है। शास्त्र शिक्षण परम्परा को सुरक्षित रखते हुये आधुनिक परिप्रेक्ष्य में कई दशकों से यह विभाग भविष्णु संस्कृत शिक्षकों को तैयार करता आ रहा है। वर्तमान में इस विभाग के द्वारा तीन प्रकार के पाठ्यक्रम सञ्चालित हैं–

1. शिक्षाशास्त्री (बी.एड्.) एक वर्षीय शिक्षक–प्रशिक्षण पाठ्यक्रम।

2. शिक्षाचार्य (एम.एड्.) एक वर्षीय स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम।

3. शिक्षाशास्त्र में उच्च अध्ययन हेतु विद्यावारिधि(पीएच.डी.) पाठ्यक्रम।

यह विभाग शिक्षाशास्त्री (बी.एड्.) में 180 स्थान, शिक्षाचार्य (एम. एड्.) में 25 स्थान और 20 अनुभवी, लब्ध प्रतिष्ठित प्राध्यापक मण्डल से समुन्नत है। सम्पूर्ण भारत का प्रतिनिधित्व मिलने के कारण इसकी प्रवेश परीक्षा की पारदर्शिता स्वतः सिद्ध है। यहाँ से शिक्षाशास्त्री (बी.एड्.) की उपाधि प्राप्त कर छात्र प्रतिवर्ष दिल्ली के सरकारी और पब्लिक स्कूलों, केन्द्रीय विद्यालयों, नवोदय विद्यालयों तथा भारत के अन्य राज्यों में सञ्चालित विद्यालयों में शिक्षक के रूप में कार्य कर रहे हैं।

यहाँ के स्नातक शिक्षाचार्य (एम.एड्.) एवं शिक्षाशास्त्र विषय में विद्यावारिधि (पीएच.डी.) की उपाधि प्राप्त कर भारत की विभिन्न शिक्षक–प्रशिक्षण एवं अन्य शैक्षिक संस्थाओं में नियोजित हो जाते हैं। भारत के विभिन्न प्रान्तों में यहाँ से प्रशिक्षण प्राप्त अनेक स्नातक उच्च पदों को सुशोभित किये हुये हैं। यह विभाग अद्यतन सूचना प्रौद्योगिकी, मनोविज्ञान तथा भाषा प्रयोगशाला से सुसज्जित है। इस विभाग द्वारा छात्रों के मौलिक लेखन की क्षमता की अभिवृद्धि करने के लिये 'शिक्षाज्योतिः' पत्रिका का प्रकाशन, शैक्षिक भ्रमण की व्यवस्था, शिक्षाशास्त्र विषय के सम–सामयिक प्रकरणों पर व्याख्यानमालाओं का आयोजन, कक्षा संगोष्ठी का आयोजन, संस्कृत सम्भाषण शिविर का आयोजन, सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन, कौशल आधारित दक्षता का विकास आदि अनेक क्रिया–कलापों में प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। इस प्रकार देश–विदेश के शिक्षक–प्रशिक्षण विभागों में यह देदीप्यमान विभाग है।

1. श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ के शिक्षाशास्त्री पाठ्यक्रम में प्रवेश शिक्षाशास्त्री–प्रवेश–परीक्षा द्वारा दिया जाता है।

2. **परीक्षातिथि–** इस वर्ष प्रवेश परीक्षा दिनाœ 27–05–2006 शनिवार प्रातः 10 बजे से 12:30 बजे तक होगी।

3. **प्रश्न–पत्र की भाषा–** प्रश्न–पत्र संस्कृत भाषा में होगा।

4. इस पुस्तिका को ध्यान से पढ़ें और आवेदन–पत्र तभी भरें जब आप इसके लिये अपने को पूर्णतया अर्ह पायें।

5. अस्पष्ट एवं अपूर्ण आवेदन–पत्र स्वीकार नहीं किये जायेंगे एवं ऐसे आवेदन–पत्रों पर विचार नहीं किया जायेगा।

6. शिक्षाशास्त्री प्रवेश परीक्षा में उत्तीर्ण छात्र ही शिक्षाशास्त्री में प्रवेश के लिये वरीयताक्रम से लिये जायेंगे।

7. **परीक्षा अवधि–** शिक्षाशास्त्री प्रवेशपरीक्षा की अवधि ढाई घण्टे होगी, जिसमें 200 वैकल्पिक उत्तर वाले वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे।

8. प्रवेश परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिये संस्कृत भाषा में कम से कम 40 प्रतिशत अœ तथा कुल प्राप्ताœ भी 40 प्रतिशत होना अनिवार्य है।

9. अभ्यर्थी अपने प्रवेश–पत्र के साथ दिनाœ 27–05–2006 शनिवार को प्रातः 9:45 बजे तक परीक्षा भवन में उपस्थित हो जायेंगे। 10:00 बजे परीक्षा प्रारम्भ हो जायेगी तथा 10:30 बजे के पश्चात् परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं होगी।

10. **प्रवेशार्हता की जाँच–** अभ्यर्थी को मार्गदर्शिका में दिये गये अर्हता नियमों के आधार पर अपनी शिक्षा शास्त्री प्रवेशपरीक्षा में प्रवेशार्हता स्वयं निश्चित करनी होगी। जो अभ्यर्थी प्रवेशार्हता के प्रतिबन्धों को पूरा किये बिना परीक्षा में बैठेंगे उनके प्रवेश पर विचार नहीं किया जायेगा।

11. **प्रवेश–पत्र–** पूर्ण आवेदन–पत्र भरकर छात्र/छात्रा विद्यापीठ कार्यालय के शिक्षा शास्त्र विभाग में रखे डिब्बे में जमा कर सकता है तथा सभी प्रवेशपत्र पञ्जीकृत डाक द्वारा ही भेजे जाएँगें। किसी भी परिस्थिति में छात्र/छात्रा को नहीं दिये जायेगें। जिन छात्रों को दिनाœ 20–05–2006 तक प्रवेश–पत्र प्राप्त नही हो वे अपना प्रवेश–पत्र दिनाœ 25–05–2006 को सायं 4:00 बजे तक विद्यापीठ कार्यालय से अवश्य प्राप्त कर लें।

12. प्रवेश परीक्षा के लिये अभ्यर्थी अपने उपयोग के लिये काला बॉल पेन साथ लाएं। अन्य किसी सामग्री को परीक्षा भवन में ले जाने या उपयोग करने की अनुमति नहीं होगी।

13. प्रवेश परीक्षा में अवैध साधन प्रयोग करने वाले एवं किसी अन्य की सहायता लेने वाले या देने वाले परीक्षार्थी को केद्राध्यक्ष परीक्षा से निष्कासित कर देंगे।

14. **प्रवेशार्हता–**

शिक्षाशास्त्री कक्षा में प्रवेश के लिये न्यूनतम अर्हता अधोलिखित है–

(क) 10+2+3 शिक्षा प्रणाली से शास्त्री/बी.ए. (तीनों वर्षों में संस्कृत मुख्य विषय के रूप में पढ़ी हो)/तत्सम मान्यता प्राप्त परीक्षा न्यूनतम 45 प्रतिशत प्राप्ताœ सहित।

अथवा

10+2+3+2 प्रणाली युक्त आचार्य/एम.ए.(संस्कृत)/तत्सम मान्यता प्राप्त परीक्षा, न्यूनतम 45 प्रतिशत प्राप्ताœ सहित।

अथवा

10+2+3 या 11+3 प्रणाली से स्नातक(संस्कृत) स्तर पर 45 प्रतिशत प्राप्ताœ तथा आचार्य/एम.ए.(संस्कृत) प्रथम वर्ष अथवा एक वर्षीय सेतु (संस्कृत) परीक्षा।

(ख) शास्त्री/बी.ए. में संस्कृत के अतिरिक्त किसी विद्यालयीय विषय/भाषा का पूर्ण प्रश्न–पत्र के रूप में अध्ययन किया हो।

(ग) कुल शिक्षण वर्षों की अवधि 15 वर्षों से कम न हो।

टिप्पणी :

(1) निर्देश सं. 17 'क' के अनुसार घोषित आरक्षित श्रेणी के अभ्यर्थियों की अर्हता परीक्षा में 5 प्रतिशत अœों की छूट होगी अर्थात् उनकी अर्हता 40 प्रतिशत अœ प्राप्त कर लेने पर होगी।

(2) परीक्षा परिणाम घोषित होने के पश्चात् उन्हीं अभ्यर्थियों को प्रवेश दिया जायेगा जो अपने अर्हता सम्बन्धी मूल प्रमाण–पत्रों/अœ–पत्रों को प्रवेश के समय प्रस्तुत कर पायेंगे।

15. **आयुसीमा :**

शिक्षाशास्त्री कक्षा में प्रवेश चाहने वाले छात्र की आयु 01–10–2006 को न्यूनतम 20 वर्ष होनी चाहिए।

16. **शिक्षाशास्त्री पाठ्यक्रम के लिये निर्धारित कुल स्थान तथा उनके विवरण :**

विद्यापीठ में शिक्षाशास्त्री पाठ्यक्रम के लिये निर्धारित कुल स्थान वर्ष 2006–07 के लिये 180 हैं। इनमें से 80 प्रतिशत परम्परागत (शास्त्री/आचार्य) धारा के छात्रों से तथा शेष 20 प्रतिशत आधुनिक धारा (बी.ए./एम.ए.) के छात्रों से भरे जायेंगे। किसी एक धारा के शिक्षाशास्त्री प्रवेश परीक्षा में उत्तीर्ण सभी अर्हता प्राप्त छात्रों के प्रवेश के उपरान्त बचे स्थान दूसरी धारा के शिक्षा शास्त्री प्रवेश परीक्षा में उत्तीर्ण अर्ह परीक्षार्थियों से वरीयताक्रम के आधार पर भरे जायेंगे। **आरक्षित श्रेणी के प्रत्याशियों का वरीयताक्रम अलग बनाया जायेगा।**

17. **आरक्षित स्थान :**

(क) दोनों धाराओं की कुल संख्या में भारत सरकार के नियमानुसार निम्नलिखित प्रकार से स्थान आरक्षित होंगे–

(1)	अनुसूचित जाति के लिए	15 %
(2)	अनुसूचित जनजाति के लिए	7.5 %
(3)	विकला¯ (प्रज्ञाचक्षु, बधिर एवं शारीरिक रूप से विकला¯, विकला¯ता 40 प्रतिशत या अधिक होनी चाहिए)	3 %

प्रज्ञाचक्षु छात्रों के लिये लेखक की व्यवस्था विद्यापीठ द्वारा की जायेगी, लेकिन इसके लिये उनको आवेदन–पत्र के साथ प्रार्थना–पत्र देना होगा।

(ख) श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ के नियमित छात्र/छात्रा के रूप में आचार्य परीक्षोत्तीर्ण छात्र/छात्राओं को 20 प्रतिशत आरक्षण परम्परागत धारा में से दिया जायेगा अन्य कोई छूट नहीं दी जायेगी।

(ग) जिन छात्रों ने राज्यीय अथवा राष्ट्रीय क्रीडा प्रतियोगिता में भाग लिया हो उन प्रत्याशियों के लिये 2 प्रतिशत स्थान आरक्षित रहेंगे। **अन्तर विश्वविद्यालयीय एवं इसके समकक्ष प्रतियोगिताओं के प्रमाण–पत्र मान्य नहीं होंगे।**

(घ) विद्यापीठ के अध्यापकों/कर्मचारियों के पुत्र/पुत्री/पत्नी के लिये 2 प्रतिशत स्थान आरक्षित होगा।

(ङ) (1) राष्ट्रीय कैडेट कोर (एन.सी.सी.) 'सी' प्रमाण–पत्र धारकों को 15 लाभाœ तथा 'बी' प्रमाण–पत्र धारकों को 10 लाभाœ दिये जायेंगे।

(2) राष्ट्रीय सेवा योजना में विश्वविद्यालय योग्यता प्रमाण–पत्र धारकों को 5 लाभाœ दिये जायेंगे। (इसके लिये अभ्यर्थी के पास राष्ट्रीय सेवा योजना के अन्तर्गत नियमित 2 वर्ष कार्य करने का प्रमाण–पत्र एवं कम से कम एक राष्ट्रीय स्तर पर शिविर में भाग लेने का प्रमाण–पत्र आवश्यक होगा)

(3) सशस्त्र सेना/परासेना के युद्ध में हत/आहत सैनिकों की विधवाओं/बच्चों के लिये 5 लाभाœ दिये जायेंगे।

टिप्पणी :

(1) आरक्षित स्थानों के लिये प्रवेशार्थियों को शिक्षाशास्त्री प्रवेश परीक्षा में निर्धारित न्यूनतम अœ (नियम 8) प्राप्त करना अनिवार्य है। आरक्षित स्थानों के रिक्त रह जाने की स्थिति में उन्हें वरीयता के आधार पर सामान्य वर्ग सूची से भरा जायेगा।

(2) 17(ङ) के अनुसार प्रवेश परीक्षा के प्राप्तांकों में न्यूनतम 5 अंक और अधिकतम 15 अंकों का लाभ दिया जायेगा।

(3) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग/भारत सरकार का नियम यदि कुछ अन्य होगा तो वह मान्य होगा।

(4) 17(क) के अन्तर्गत आरक्षित वर्ग का प्रमाण–पत्र देने के लिये निम्नलिखित अधिकारी सक्षम हैं :–

(क) अनु.जाति/जनजाति के लिये– जिला मजिस्ट्रेट/नगर मजिस्ट्रेट/सब डिवीजनल मजिस्ट्रेट/तहसीलदार।

(ख) विकलांग प्रत्याशियों के लिए मुख्य चिकित्सा अधिकारी, राजकीय चिकित्सालय।

(17) (ङ) के अन्तर्गत आरक्षित वर्ग का प्रमाण–पत्र देने के लिए सरकार द्वारा निर्धारित अधिकारी ही सक्षम है। विकलांगता के आधार पर आरक्षण लेने हेतु 40 प्रतिशत ।

अथवा

अधिक विकलांगता आवश्यक है, जिसका उल्लेख विकलांगता प्रमाण–पत्र में होना चाहिए।

18. **शिक्षाशास्त्री पाठ्यक्रम के लिए चयन विधि :**

शिक्षाशास्त्री कक्षा में प्रवेश 'शिक्षाशास्त्री प्रवेश परीक्षा' नामक लिखित प्रतियोगिता परीक्षा द्वारा होगा। प्रवेश चाहने वाले अभ्यर्थी निर्धारित आवेदन–पत्र पर आवेदन करें। नियम संख्या 14 एवं 15 के अनुसार अर्हता प्राप्त प्रत्याशियों को लिखित परीक्षा के लिए उपस्थित होना पड़ेगा। अधिकृत अभ्यर्थी की पहचान के लिय केन्द्राध्यक्ष को

एक परिचय प्रपत्र दिया जायेगा। अभ्यर्थी को अपनी प्रवेशार्हता का निश्चय मार्गदर्शिका के नियम 14 एवं 15 के अनुसार स्वयं करना होगा। जो परीक्षार्थी अर्हता शर्तों को पूरा किये बिना शिक्षा शास्त्री प्रवेश परीक्षा में प्रविष्ट होगा उसके परीक्षा परिणाम पर विचार नहीं किया जायेगा। शिक्षा शास्त्री प्रवेश परीक्षा में प्राप्त वरीयताक्रम के आधार पर नियम संख्या 14 एवं 15 के अनुसार प्रवेशार्ह अभ्यर्थियों को शिक्षाशास्त्री पाठ्यक्रम में प्रवेश दिया जायेगा।

19. **शिक्षाशास्त्री प्रवेशपरीक्षास्वरूप :**

शिक्षा शास्त्री प्रवेश परीक्षा में पुस्तिका के रूप में एक प्रश्न–पत्र होगा, जिसमें निम्नलिखित चार खण्ड होंगे :

संलग्न पाठ्यक्रम की रूपरेखा

1- lLdrHkk"kkn{krk ,o vock/k ijh{k.k

2- lkekU;Kku

3- ekufld ;kX;rk& ckf)d] HkkokRed o vk/;kfRed iKk

4- 'k{kf.kd vfHkpruk ,o vfHk{kerk

पाठ्यक्रम

संस्कृतभाषादक्षता 50 प्रश्न 50 अœ

1- mPpkj.kLFkku

2- l;äk{kj

3- 'kCnk dk fy¯ifjp;

4- lfU/k ¼Loj] O;×tu] folx½

5- 'kCn:i

6- /kkr:i

7- **rf)r**

- * viR;kFkd
- * eri@ori

8- ÑnUr

9- L=hiR;;

10- **lekl**

- * v0;;hHkko
- * rRi#"k
- * f}x@}U}
- * de/kkj;@uŒk
- * cgchfg

11- **ifØ;k,**

- * f.kp
- * lu

12- **okP; ifjoru**

- * drokP;
- * deokP;
- * HkkookP;

13- **dkjd ,o miinfoHkfä**

- * de
- * dj.k
- * lEinku
- * viknku
- * lEcU/k
- * vf/kdj.k

14- oruhKku

15- okD;'kf)

16- lLdrHkk"kk vock/k ijh{k.k

¼x|k'k] i|k'k ,o lfä ij vk/kkfjr cgfodYikRed oLrfu"B
i'u½

सामान्यज्ञान 50 प्रश्न 50 अœ

1- Hkkjr voykdu
¼Hkkxkfyd] jktufrd ,o ifjogu½

2- jk"Vh; irhd

3- Hkkjrh; l«
¼vFkO;oLFkk] foÙkh; lLFkku] iञ्चo"kh; ,o cg mí'kh; ;ktuk,½

4- Hkkjrh; bfrgkl ¼?kVuk, ,o frfFk;k½

5- Hkkjrh; lfo/kku

6- Hkkjrh;&lLÑfr ,o dyk

7- l;äjk"V l« ,o vUrjk"Vh; lxBu

8- lkekU;foKku ¼ikphu ,o uohu½

9- [kydn

10- vyœj.k

11- jk"Vh; ,o vUrjk"Vh;Lrj dh lLFkk,

12- fo'oLrjh; egÙoi.k xUFk ,o xUFkdkj

13- tul[;k

14- i;koj.k

15- ekuokf/kdkj

16- lLdr&ok³e;

17- efgyk l'kähdj.k

18- ik|kfxdh

19- 'kh"kU;k;k;y;k d lkekftd egÙo l lEcfU/kr egÙoi.k Qly

20- le&lkef;d fo"k;

मानसिक योग्यता 50 प्रश्न 50 अœ

बौद्धिक प्रज्ञा (Academic Intelligence)

* स¦îkr ;k Øe fu/kkj.k\ (Number Series)
* vkÑfr;k (Figurs)
* dk;dkj.k (Cause and effect)
* v'k i.k (Part and whole)
* 'kCnk dk oxhdj.k (Classification of words)
* vuikrkRed स¦îkr (Ratio Number)
* lkFkd Øe (Meaning full order)
* xf.krh; rkfddrk (Mathematical Reasoning)

HkkokRed iKk (Emotional Intelligence)

* HkkokRed icU/ku (Emotional Management)
* viu Hkkok dk vock/ku (Understanding own feeling)
* vU; d Hkkok dk vock/ku (Understanding others feeling)
* vuHkfrtU; lonuk (Empathetic feeling)
* ekuoh; lEcU/k icU/ku (Human relation Management)

vk/;kfRed iKk (Spritual Intelligence)

* ijkuHkfrtU; {kerk (Transcendental Experience)
* vFk dk vFk (Meaning of Meanings)
* foLrkj.k (Elaboration)
* vkRekykpu dh {kerk (Capacity for self critism)
* ijkRijrk (Power of Transcendent)

शैक्षणिक अभिक्षमता 50 प्रश्न 50 अœ

fuEukfœr 'k{kf.kd ifjfLFkfr;k ij vk/kkfjr 'k{kf.kd food ,o fpUru dh vfHk{kerk d ifjlpd fcUn lekfgr gkx&

1- f'k{k.k&vf/kxe dh ifjfLFkfrA
2- f'k{k.k ifØ;k dh iÑfrA
3- vf/kxe dh fLFkfr;kA
4- f'k{kd ,o fo|kFkh dfUnr f'k{k.k d ifrekuA
5- f'k{k.k dh ifjfLFkfr e f'k{kd ,o fo|kFkh dh HkfedkA
6- f'k{k.k&vf/kxe dh O;oLFkkA
7- f'k{k.k&vf/kxe O;oLFkk dk iHkkfor dju oky rÙoA
8- vf/kxe dh ifØ;k e vfHkiij.kk dh Hkfedk ,o ;fä;k dk vui;kxA
9- iHkkoh f'k{k.k d eY;kœu e fo|eku dfBukb;kA
10- uokpkjh f'k{k.k dh vko';drk ,o mldk egÙoA
11- f'k{kd&f'k{kkFkh lEcU/k ,o leL;k,A
12- 'kf{kd ifjfLFkfr;k d iHkkoh lŒpkyu gr urRox.kA
13- f'k{k.k e lEi"k.k d vk;ke ,o leL;k,A
14- Lofunf'kr vf/kxe d fy; vif{kr r;kjh ,o fØ;kUo;u gr vko';d ixA
15- O;oLFkkijd mikxe] gkMo;j ,o lk¶Vo;j l lEcfU/kr f'k{k.k& vf/kxe O;oLFkk e ifjyf{kr leL;k;A

शैक्षिक अभिचेतना 50 प्रश्न 50 अœ

1- 'kf{kd lUnHk ¼vkipkfjd] fujkipkfjd] vku"kf¯d½
2- jk"Vh; ,o vUrjk"Vh; Lrj dh uhfr fu/kkjd 'kh"k lLFkk, ,o fudk;A
3- egÙoi.k 'kf{kd i;kx ,o uokpkjA
4- ikFkfed ,o ek/;fed Lrj rd dh f'k{kk l tM i;kl ¼Hkkjrh; lUnHk e½A
5- fo'ofo|ky;h; f'k{kk dh lLFkk, mudk Lo:i] xBu ,o dk;i)frA
6- v/;kid f'k{kk dh uhfrfu/kkjd lLFkk ,o mudk Lo:iA

7- lLdr v/;kidf'k{kk&bfrgkl ,o fodkl

8- ik|kfxdh f'k{kk d vk;ke] mi;kx ,o mul lEcfU/kr leL;k,A

9- Hkkjrh; lUnHk e egÙoi.k 'kf{kd vk;kx ¼LokrU×;kÙkjdky½A

10- jk"Vh; f'k{kk uhfr] fØ;kUo;u ,o vuJo.kA

11- i;koj.k f'k{kk l tMh lLFkk; ,o mud }kjk lEikfnr dk;A

12- lk{kjrk ,o tul[;k f'k{kk l lcfU/kr lLFkk; mudk mí'; vkj iHkkoA

13- x.koÙkk icU/ku gr LFkkfir jk"Vh; Lrj dh lLFkk;] dk;{k= ,o leL;k;A

14- eY;ijd f'k{kk dh uhfr;k ,o mikn;rkA

15- lfo/kk ofञ्चr lox d ykxk dh 'kf{kd leL;k, vkj mik;A

16- njf'k{kk] eä vf/kxe rFkk odfYid f'k{kk dh 0;oLFkk,A

20. सभी खण्डों के प्रश्न बहु विकल्प वाले होंगे। परीक्षार्थी को उनमें से सर्वथा शुद्ध/सर्वोपयुक्त उत्तर पर (●) चिह्न लगाना होगा यदि किसी उत्तर में दो चिह्न लगे होंगे तो वह गलत माना जायेगा। प्रश्न–पत्र का नमूना परिशिष्ट में दिया गया है। प्रश्न–पत्र संस्कृत में होगा। शिक्षा शास्त्री प्रवेश परीक्षा में प्रत्येक अभ्यर्थी के लिए संस्कृत भाषा दक्षता में कम से कम 40 प्रतिशत अœ प्राप्त करना अनिवार्य होगा। कुल अœk में 40 प्रतिशत होना अनिवार्य है। यह नियम सभी अभ्यर्थियों पर समान रूप से लागू होगा। परम्परागत और आधुनिक प्रणाली के अभ्यर्थियों की सूची अलग–अलग होगी, प्रत्येक सूची में आरक्षित वर्ग के स्थान भी सम्मिलित होंगे।

21. सब प्रकार से परिपूरित आवेदन–पत्र कुलसचिव श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, (मानित विश्वविद्यालय) कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली–16 के पास दिनाœ

05–05–2006 सायंकाल 4:00 बजे तक अवश्य पहुँच जाने चाहिये। 05–05–2006 के बाद प्राप्त होने वाले आवेदन–पत्र स्वीकार नहीं किये जायेंगे।

22. शिक्षा शास्त्री प्रवेश परीक्षा में प्रवेश के लिए अभ्यर्थी ध्यान पूर्वक जाँच लें कि आवेदन–पत्र के साथ निम्नलिखित प्रपत्र संलग्न है :–

(क) आयु सूचक प्रमाण–पत्र की स्वयं सत्यापित प्रतिलिपि।

(ख) छात्र प्रपूरित (1) आवेदन–पत्र (2) प्रवेश–पत्र (3) संगणक पत्र।

(ग) आरक्षण सम्बन्धी प्रमाण–पत्र की स्वयं सत्यापित प्रतिलिपि (यदि अपेक्षित हो तो) ।

(घ) नवीनतम रंगीन पासपोर्ट आकार के स्वयं सत्यापित तीन छाया–चित्र, यथास्थान आवेदन–पत्र, प्रवेश–पत्र तथा संगणक–पत्र पर संलग्न हुये हों।

टिप्पणी :

(1) आवेदन–पत्र के साथ मूल प्रमाण–पत्र न भेजे जाएँ।

(2) अपूर्ण, अस्पष्ट तथा विलम्ब से प्राप्त आवेदन–पत्र स्वीकृत नहीं किए जायेंगे।

(3) डाक के कारण होने वाले विलम्ब के लिए विद्यापीठ उत्तरदायी नहीं होगा।

(4) यदि कोई अभ्यर्थी असत्य तथ्यों के आधार पर अथवा प्रवेशार्हता के अभाव में शिक्षाशास्त्री पाठ्यक्रम में प्रवेश लेता है तो वास्तविकता सामने आने पर उसका प्रवेश निरस्त कर दिया जायेगा, इसके लिए किसी प्रकार का दायित्व विद्यापीठ पर नहीं होगा।

परीक्षाफल की घोषणा :

शिक्षा शास्त्री प्रवेश परीक्षा 2006 के परिणाम से संबन्धित सूचना विद्यापीठ के सूचनापट्ट पर, जुलाई मास के द्वितीय सप्ताह में प्रकाशित की जायेगी। इस परीक्षा की वरीयता सूची केवल 2006–07 सत्र के लिए ही मान्य होगी।

23. शिक्षाशास्त्री पाठ्यक्रम योजना :

(1) शिक्षाशास्त्री, राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् (NCTE) द्वारा मान्यता प्राप्त पाठ्यक्रम है, जिसकी अवधि एक शैक्षिक वर्ष है।

(2) अभ्यर्थी श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ की शिक्षाशास्त्री प्रवेश परीक्षा द्वारा शिक्षाशास्त्री पाठ्यक्रम के लिये चुने जाने के बाद अन्य नियम–विनियमों के अधीन शिक्षाशास्त्री परीक्षा में बैठने का पात्र होगा।

(3) प्रत्येक अभ्यर्थी के लिए विद्यापीठ द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम का एक शैक्षिक वर्ष के लिए नियमित अध्ययन अनिवार्य है। नियमित पाठ्यक्रम से तात्पर्य है कि–

(क) विद्यार्थी को विद्यापीठ में एक शैक्षिक सत्र में दिए गए कक्षा व्याख्यानों में से कम से कम 75 प्रतिशत व्याख्यानों में उपस्थित रहना अनिवार्य है। प्रायोगिक शिक्षणाभ्यास तथा सत्रीय गतिविधियों में नियमित उपस्थिति अपेक्षित है। अपरिहार्य परिस्थितियों में कुल 15 दिन का अवकाश स्वीकृत हो सकेगा।

(ख) किसी स्वीकृत विद्यालय में शिक्षणाभ्यास के अन्तर्गत विद्यार्थी न्यूनतम 40 पाठ पढ़ायेगा। इसके अतिरिक्त पाँच–पाँच पाठ सूक्ष्मशिक्षण के अध्यापित करने होंगे।

(ग) छात्र/छात्राओं के लिए दो शिक्षण विषय होंगे– (1) संस्कृत (2) एक आधुनिक विद्यालयीय विषय/भाषा।

(घ) पाठ्यक्रम को निर्धारित पाठ्यविवरण में दिए हुए ब्यौरे के अनुसार तीन भागों में बाँटा गया है–

(1) सैद्धान्तिक (2) प्रायोगिक (3) सत्रीय कार्य

सैद्धान्तिक भाग में निम्नलिखित प्रश्नपत्र होंगे :–

I आधुनिक भारतीय समाज में शिक्षा का उभरता परिदृश्य

II शिक्षा मनोविज्ञान

III (क) शैक्षिक प्रौद्योगिकी

(ख) क्रियात्मक अनुसंधान

IV संस्कृत शिक्षण

V (क) शास्त्रशिक्षण– (व्याकरण/साहित्य/ज्योतिष/दर्शन/वेद/कर्मकाण्ड/पुराण)

(ख) आधुनिक विषय शिक्षण (हिन्दी/अंग्रेजी/सामाजिक विज्ञान/गणित)

VI (क) शैक्षिक मापन एवं मूल्याङ्कन

(ख) शैक्षिक प्रबन्धन

VII (क) आधुनिक भारतीय–शिक्षा की सम–सामयिक समस्यायें

(ख) निम्नलिखित में से कोई एक विषय :–

(I) *जनसंख्या शिक्षा*

(II) *प्रौढ़ एवं सतत शिक्षा*

(III) *पर्यावरण शिक्षा*

(IV) *शारीरिक शिक्षा*

(V) *शैक्षिक एवं व्यावसायिक निर्देशन*

(VI) *स¯.ाक शिक्षा*

शिक्षाशास्त्रिप्रवेशपरीक्षाया आदर्शप्रश्नपत्रम्

प्रश्नपत्र–निर्देशः

शिक्षाशास्त्रिप्रवेशपरीक्षाप्रश्नपत्रम्

समयः2½ होरा **पूर्णाœk% 200**

निर्देश :

प्रत्याशिना प्रतिखण्डं पृष्टानां प्रश्नानां यथानिर्देशं समाधानं कर्त्तव्यम्। प्रतिप्रश्नं समाधानस्य चत्त्वारः विकल्पाः चतुर्भिः (क) (ख) (ग) (घ) इति क्रमवर्णैः दत्ताः। प्रत्याशिना चतुर्षु विकल्पेषु यो विकल्पः समाधानार्थं स्वीक्रियते तस्य क्रमवर्णः उत्तरपत्रके बालपेन द्वारा कृष्णीकर्तव्यः। समाधानं पूर्णतया विचार्य एव स्वीकŸkव्यम्। एकस्य प्रश्नस्य एक एव क्रमवर्णः कृष्णीकर्त्तव्यः। यदि कस्यापि प्रश्नस्य एकाधिकाः क्रमवर्णाः कृष्णीक्रियन्ते तदा तस्मै प्रश्नाय अœः न दास्यते। उत्तरपत्रकं मलिनं न कर्त्तव्यम्।

‘क’ खण्डः

संस्कृतभाषा–दक्षता–परीक्षणम्

1. **“षट् सन्तः” इत्यत्र कः शुद्धतमः?**

   (क) षट्सन्तः (ख) षड्सन्तः

   (ग) षट्त्सन्तः (घ) षणसन्तः

2. **“राजन्” शब्दस्य सप्तम्यैकवचने किं रूपम्?**

   (क राजने (ख) राजे

   (ग) राजिनी (घ) राजनि

3. **“रुच्” धातोः प्रथमपुरुषैकवचने लुङि किं रूपम्?**

   (क) अरूचत (ख) अरोचत्

   (ग) अरोचिष्ट (घ) अरोचयिष्यत

4. **शुद्धं वाक्यं किमस्ति?**

   (क) प्रजाय स्वति (ख) प्रजाभ्यः स्वस्ति

   (ग) प्रजाः स्वस्ति (घ) प्रजानां स्वस्ति

5. रिक्तस्थानं शुद्धशब्देन पूरयत

तेन त्यक्तेन .... मा गृधः कस्य स्विद् धनम्।

(क) भूञ्जीता (ख) भूञ्जीया

(ग) भुञ्जीथा (घ) भुञ्जिता

6. अहं पठामि इत्यस्य कर्मवाच्यं किं भविष्यति?

(क) अहं पठ्ये (ख) मया पठ्यते

(ग) अहं पठ्यते (घ) मया पठ्ये

7. क–च वर्णयो उच्चारणस्थानमस्ति–

(क) कण्ठमूर्द्धा (ख) तालुमूर्द्धा

(ग) कण्ठतालु (घ) कण्ठोष्ठ

8. सः कर्तुम् इच्छति–

(क) स चिकीर्षति (ख) स चकर्षिति

(ग) स चरीकर्षति (घ) स चकीर्च्छति

9. शुद्धं पदं किमस्ति?

(क) उपरोक्तम् (ख) उपयुर्क्तम्

(ग) उपर्युक्तम् (घ) उपरियुक्तम्

10. संस्कृतभाषा–अवबोधपरीक्षणम्

अध्यनार्थं विदेशे गन्तुकामः श्रीमोहनदासः करमचन्दगान्धी मातुरादेशप्राप्त्यर्थं प्रतिज्ञात्रयमकरोत्। ''नाहं कदापि मदिरां सेविष्ये, नाहं मांसस्पर्शमपि विधास्यामि, पूर्णरूपेण ब्रह्मचर्यव्रतमाचरिष्यामि'' इति। स्वप्रतिज्ञातं पालयन् स त्रीणि वर्षाणि विधिशास्त्रमधीतवान्। स्वदेशमागत्य च मुम्बापुर्यां बैरिस्टरवृत्तिं प्रारभत। शीघ्रमेव दक्षिणाफ्रीकादेशं गत्वा तत्रत्यानां भारतीयानां गौरैः कृतां दुर्दशां विलोक्य तेषां समु)राय अहिंसामूलस्य सत्याग्रहस्य प्रयोगमकरोत्।

i. गान्धीमहोदयः मातुरादेश–प्राप्त्यर्थं किम् अकरोत् ?

(क) विदेशगमनम् (ख) प्रतिज्ञात्रयम्

(ग) मदिरापाननिषेधम् (घ) ब्रह्मचर्यव्रतपालनम्

ii गान्धीमहोदयः किं शास्त्रमधीतवान्?

(क) बैरिस्टर'ाास्त्रम् (ख) चिकित्साशास्त्रम्

(ग) अहिंसाशास्त्रम् (घ) विधिशास्त्रम्

iii मुम्बापुर्यां सः कां वृत्तिं प्रारभत?

(क) अध्यापकवृत्तिम् (ख) सत्याग्रहस्य वृत्तिम्

(ग) बैरिस्टरवृत्तिम् (घ) चिकित्सकवृत्तिम्

एवं ''क'' खण्डे 1–50 स¦ïपर्यन्तं प्रश्नाः भविष्यन्ति।

''ख'' खण्डः

मानसिकयोग्यतापरीक्षणम्

51. त्रयाणां नार¯फलानां भारः 50 ग्रामपरिमितः, 50 ग्रामपरिमितः 60 ग्रामपरिमितश्च अस्ति। भवतः निकटे तुला अस्ति परं भारमानानि न सन्ति। कति वारं तुलाप्रयोगेण 60 ग्रामपरिमितं नार¯फलानां पृथक् कर्तुं शक्यते।

(क) 1 (ख) 2 (ग) 3 (घ) 4

52. दिवाकरस्य आयुः किमस्ति? 18 वर्षपूर्वं तस्य आयुः स्वपुत्रस्य आयुषः त्रिगुणितम् आसीत्। परन्तु अद्य तस्य आयुः स्वपुत्रस्य आयुषः द्विगुणितम् अस्ति।

(क) 36 वर्षाणि (ख) 30 वर्षाणि

(ग) 72 वर्षाणि (घ) 60 वर्षाणि

53. केषुचित् मासेषु 31 दिनानि भवन्ति केषुचित् मासेषु 30 दिनानि भवन्ति कति मासेषु 28 दिनानि भवन्ति।

(क) 6 (ख) 12

(ग) 7 (घ) 1

54. चिकित्सकः लक्ष्मीचन्द्राय तिस्रः मात्राः अयच्छत् एका तत्क्षणमेव तेन भक्षिता, चिकित्सकः प्रतिमात्रम् अर्धहोरानन्तरं भक्षयितुं निर्दिष्टवान्। देवदत्तस्य औषधिः कियता कालेन समाप्स्यति?

(क) एकहोराकालेन (ख) सार्धैकहोराकालेन

(ग) द्विहोराकालेन (घ) त्रिहोराकालेन

55. रमेशस्य गृहं 60 कि.मी. दूरे वर्तते। यदि सः प्रातः 7 वादने 10 कि.मी. वेगेन प्रतिहोरां चलति तदा एकवादने गृहं प्राप्नोति। यदि सः गृहं प्राप्तुम् इच्छति तर्हि तेन 11:00 वादने कया कि.मी. गत्या गन्तव्यम् भवेत्।

(क) 11 कि.मी. (ख) 15 कि.मी.

(ग) 14 कि.मी. (ग) 13 कि.मी.

56. भावात्मकप्रज्ञायाः सम्बन्धः केन साकम्?

(क) तदनुभूतिक्षमतया (ख) सामाजिकीबुद्ध्या साकम्

(ग) भावनाप्रबन्धनेन् साकम् (घ) उपर्युक्तेन सर्वेण साकम्

57. मनोवैज्ञानिकानां मते कया प्रज्ञया/बुद्ध्या वयं स्वकार्य जीवनञ्च व्यापकं समृद्धिं वा कत शक्नुमः?

(क) भावात्मकप्रज्ञया (ख) आध्यात्मिकप्रज्ञया

(ग) सामान्यबुद्ध्या (घ) विशिष्टबुद्ध्या

58. अशोकः किशोरस्य सहोदरोऽस्ति। सरिता अशोकस्य पुत्री वर्तते। सविता किशोरस्य भगिनी अस्ति। समीरः भ्राता वर्तते। एतदाधारेण निम्नकथनेषु किं सत्यम् अस्ति?

(क) सरिता सवितायाः भगिनी अस्ति?

(ख) किशोरः समीरस्य पितृव्यः अस्ति।

(ग) सविता समीरस्य माता अस्ति।

(घ) सरिता किशोरस्य भगिनी अस्ति।

59. रिक्तस्थानं समुचितस¦ीया पूरयितव्यम्–

31, 39, 45, ... 51

(क) 49 (ख) 48 (ग) 47 (घ) 50

60. एकस्यां पाठशालायां प्रतिकक्षं छात्राणां स¦ीया 24 अस्ति। नूतनानां छात्राणां प्रवेशानन्तरं तिस्रः नूतनाः कक्षाः प्रारब्धाः येन कक्षाणां स¦ी षोडश सञ्जाता। अधुना प्रतिकक्षं छात्राणां सड्ख्या 21 अस्ति। पाठशालायां कति छात्राः नूतनाः प्रविष्टाः?

(क) 48 (ख) 14 (ग) 28 (घ) 11

एवं ''ख'' खण्डे 51 तः 100 स¦ीयापर्यन्तं प्रश्नाः भविष्यन्ति।

''ग'' खण्डः

सामान्यज्ञानम्

101. 'शान्तिपूत' इति नाम कस्याः व्यक्तेः भवति?

(क) अशोकस्य (ख) महात्मागान्धेः

(ग) जवाहरलालनेहरूमहोदयस्य (घ) लालबहादुरशास्त्रिणः

102. 'महिला अन्ताराष्ट्रियदिवसः' कस्मिन् दिनाœ आयोजितो भवति?
(क)दिसम्बरमासस्य सप्तमे दिनाœ(ख) मार्चमासस्य अष्टमे दिनाœ
(ग)अप्रैलमासस्य सप्तमे दिनाœ ¼घ)दिसम्बरमासस्य दसमे दिनाœ

103. प्राचीनभारते विधिविज्ञः कः आसीत्?
(क) पाणिनिः (ख) चन्द्रगुप्तः
(ग) चाणक्यः (घ) मनुः

104. युनेस्को (UNESCO) मुख्यालयः कुत्र वर्तते?
(क) पेरिसनगर्याम् (ख) न्यूयार्कनगर्याम्
(ग) वाशिंगटननगर्याम् (घ) जनेवानगर्याम्

105. सानियामिर्जा कया क्रीडया सह सम्बद्धा?
(क) गोल्फकीडया (ख) बैटमिन्टनकीडया
(ग) टेबिलटेनिसकीडया(घ) टेनिसकीडया

106. स«सूच्यां कति विषयाः सन्ति?
(क) 47 विषयाः (ख) 97 विषयाः
(ग) 66 विषयाः (घ) न कापि स¦ìÄाः

107. 'विटामिन्' नाम किम्?
(क) जैवयौगिकम् (ख) अजैवपदार्थः
(ग) सजीवः (घ) अत्र दत्तं किमपि न

108. गौतमबुद्धस्य जन्म क्वाऽभवत्?
(क) सारनाथे (ख) लुम्बिन्याम्
(ग) गयानगरे (घ) वाराणस्याम्

109. अरुणाचलप्रदेशस्य राजधानी क्वाऽस्ति?
(क) इम्फालनगरे (ख) शिलानगरे
(ग) ईटानगरे (घ) अगरतल्लानगरे

110. 'ईडनगार्डन' क्रीडाक्षेत्रं भारतस्य कस्मिन् नगरे स्थितम्?
(क) ब¯लूरनगरे (ख) पटनानगरे
(ग) मद्रासनगरे (घ) कलकत्तानगरे

एवं ''ग'' खण्डे 101 तः 150 स¦ìÄापर्यन्तं प्रश्नाः भविष्यन्ति।

''घ'' (खण्डः)

अध्यापकाभिवृत्तिपरीक्षणम्

151. अधः सूचितेषु कारकेषु किम् आश्रित्य मानवव्यवहारविकासो भवति?

(क) अभिवृद्धिम् (ख) परिपाकम्

(ग) विकासम् (घ) सर्वमपि

152. चिन्तनस्य सर्वोत्तमम् अभिज्ञानं निम्नलिखितेषु किं भवति?

(क) विचारः (ख) कल्पना

(ग) सङ्कल्पः (घ) समस्यासमाधाने

153. अधिगमाभासेन कुत्र परिमार्जनं भवति?

(क) प्रेरणायाम् (ख) मुख्यप्रवृत्तौ

(ग) अन्तर्नोदे (घ) व्यवहारे

154. प्रेरणायां किं सम्मिलितं भवति?

(क) आन्तरिकावस्थाः (ख) इच्छा

(ग) सङ्कल्पः (घ) क्रिया

155. कीदृशाः बालकाः भवताम् अधिकस्नेहपात्राणि भवन्ति?

(क) ये सम्यक् संभाषणं कुर्वन्ति

(ख) ये अत्यन्तं ऋजुस्वभाविनः

(ग) ये शान्ताः शालीनाः समुचितं भाषमाणाः

(घ) ये अत्युत्साहं प्रकटयन्ति

156. यदि भवतां बालकः कस्यामपि कक्षायां द्वितीयवारमपि अनुत्तीर्णः भवति तर्हि भवान् किं करिष्यति?

(क) तं कथञ्चित् पीडयति

(ख) तस्य अध्ययनं स्थगयति

(ग) तस्य अध्ययनविषयं परिवर्तयति।

(घ) तस्य विद्यालयं परिवर्तयति।

157. यदि किमपि नूतनं पाठ्यवस्तु छात्रेभ्यः पाठनीयं भवति तर्हि भवान् कथं तत् करिष्यति?

(क) छात्राणां स्तरानुगुणं पाठयिष्यति।

(ख) नवीनोदाहरणेन पाठयिष्यति।

(ग) नूतनविधीनां प्रयोगेन पाठयिष्यति।

(घ) कथं पठनीयमित्यस्य नियमान् छात्रेभ्यः बोधयिष्यति।

158. संस्कृतशिक्षाप्रसाराय विशेषरूपेण प्रयतते–

(क) संस्कृतसाहित्यसम्मेलनम्

(ख) मानवसंसाधनविकासमन्त्रालयः

(ग) केन्द्रीयसंस्कृतपरामर्शदातृसमितिः

(घ) संस्कृत–अकादमी

159. 1986 राष्ट्रीयशिक्षानीतिसमीक्षणाय स्थापितायाः समितेः नाम–

(क) खेरसमितिः (ख) आदिशेषैयासमितिः

(ग) दुर्गादेशमुखसमितिः (घ) राममूर्तिसमितिः

160. ग्रामीणच्छात्राणां विशिष्टशिक्षासम्पादनाय स्थापिताः विद्यालयाः

(क) सर्वोदयविद्यालयाः (ख) केन्द्रीयविद्यालयाः

(ग) ग्रामोदयविद्यालयाः (घ) नवोदयविद्यालयाः

एवं ''घ'' खण्डे 151 तः 200 स¦ïपर्यन्तं प्रश्नाः भविष्यन्ति।

---

mÙkji=l¦ïkk ....

(प्रश्नपत्रप्राप्त्यनन्तरं पञ्चनिमेषाभ्यन्तरे पूरणीयम्)

उत्तरपत्रकम्

उत्तरं दातुं निर्देशाः

1. बालपेनमाध्यमेन उत्तरणीयम्
2. स्वीयम् उत्तरम् उपयुक्तवृत्तं कृष्णीकृत्य दातव्यम्। यथा–
   क ○ ख ○ ग ● घ ○
3. प्रत्युत्तरार्थम् एकमेव वृत्तं कृष्णीकUkO;e।
4. उपयुक्तं वृत्तं स्पष्टतया कृष्णीकUkO;A येन भ्रमो न स्यात्।
5. उत्तरपत्रं मलिनं न कUkO;यम्।

	क	ख	ग	घ
1.	○	○	●	○
2.	○	○	○	●
3.	○	●	○	○
4.	○	●	○	○
5.	○	○	○	●
6.	○	●	○	○
7.	○	○	●	○
8.	●	○	○	○
9.	○	○	●	○
10(i)	○	●	○	○
(ii)	○	○	○	●
(iii)	○	○	●	○
51	●	○	○	○
52	○	○	●	○
53	○	●	○	○
54	●	○	○	○
55	○	●	○	○
56	○	○	○	●
57	○	●	○	○
58	○	●	○	○
59	●	○	○	○
60	○	○	○	●
101	○	○	○	●
102	○	●	○	○
103	○	○	○	●
104	●	○	○	○
105	○	○	○	●
106	○	○	●	○
107	●	○	○	○
108	○	●	○	○
109	○	○	●	○
110	○	○	○	●

ijh{kkfFkZuk Ñr funi'kk%

1- f'k{kk'kfL=&io'k&ijh{kk ioi"Bkfœrdk;Øeku Ikj ipfy";frA ikr% 9%30 oknuoyk;k ijh{kk&HkouL; }kje mn?kkVf;";rA 10%00 oknuoyk;k p ijh{kk ikjH;rA ijh{kkikjEHkkuUrj ijh{kkHkou dk·fi ijh{kkFkh io'k u yHkrA

2- vuØekœfpfõr LFkku loLe ikfFku fofgr L;krA fofgr LFkkueo e;k xghr u vU;r bfr ikfFkfHk% fu/kkj.kh;eA ;% ikFkh vU;L; ikfFku% LFkku Ñrkf/kdkj% n{;r] I% ijh{kkHkoukr fu"dkIf;";r vu'kkIukRedn.MHkkxh p fo/kkL;rA

3- ikfFkfHk% ijh{kk;ke mi;kxkFk Loh;k cky&IokbV&y[kuh vkur0;kA r% ikB;iLrdkfu 0;k[;k ykx&Vcyk[;k Ikfj.kh x.ku;U= ¼dydyVj½ pynjHkk"k;U=e ¼ekckby½ vU;r ok fuf"k) oLr ijh{kkHkou ukur0;eA

4- ikfFkfHk% mÙkjy[kukr ikd funi'kk% i'ui=ifLrdk;k nÙkk% i'uk'p Iko/kkuu iBuh;k%A

5- Iokf.k i'ui=kf.k ILdrHkk"kk;ke ,o Hkfo";fUrA

6- f}rh;&i'ui=ifLrdk ikfFkH;% u nkL;rA

7- ç'u&i=ifLrdk;k nÙkk;k çkfFkfHk% n'kfeuVkRedu le;uo fu/kkj.kh;] ;n v= Iokf.k i"Bkfu] mÙkji= i'uk% p oÙkUr] u ok bfrA ;fn r= ,rr lo u ikI;r rnk r% rRdky d{kfujh{kd% Ipf;r0;%A

8- mÙkjnkukr io ikfFkfHk% vuØekœ% fnukœkn;'p fu/kkfjr LFkku ijh{kkifLrdk;ke mÙkji=d p y[kuh;k%A ikfFkfHk% ifLrdk;k% mÙkji=d rní';k; fu;r LFkku mÙkjkf.k y[;kfu vU;Fkk mÙkjk.kk eY;kœu u HkfoO";frA

9- ikfFkfHk% Lodh; uke] rkn'k fdefi fpgu ok d=kfi ijh{kkifLrdk;ke mÙkji=d ok u y[kuh;eA

10- ijh{kko/kk ikfFkfHk% dUnk/kh{kdL; vu'kkIu fu;U=.k p LFkkr0;eA

11- ; ikFku% rFkk foijhr dfj";fUr] ;Fkk d{kfujh{kdL; eru vU;L; ikFku% vo/kkIkgk¸; L;kr] r dUnk/kh{kdu I|% ijh{kkr% cfg"dr 'k{;UrA

12- ; ikFku% vo/kkI/kukoyEcukUe[kk% L;% r ijh{kkHkoukr cfg"dfj";Ur r"kk p ijh{kk i.kr% fujLrk HkfoO";frA vo/kkI/kukoyEcu Ñr u ok bfr fo"k; dUnk/kh{kd% ,o ,dek= fu.kk;d%] I ijh{kkfu;U=dk; IdyoÙkIefUor ifronue vif{krdj.kkFk i"kf;";frA

13- io'ki=:i.k vkonui=lei.kL; vokfIri= ijh{kkfFkuk dUn Lolk/ke vku;e] vU;Fkk ijh{kkHkou io'k% vuer% u L;krA

- सूचनाविवरणिकया सह आवेदनपत्रस्य विक्रयतिथिः
  03–04–2006 तः 05–05–2006 पर्यन्तम्।

- कार्यालये पूर्णरूपेण पूरितावेदनपत्रस्य प्राप्तेः अन्तिमा तिथिः **05–05–2006**

- शिक्षाशास्त्रिप्रवेशपरीक्षातिथिः **27–05–2006**

- शिक्षाशास्त्रिप्रवेशपरीक्षापरिणामतिथिः **जुलाईमासस्य, 2006 वर्षस्य द्वितीयसप्ताहे**। (विद्यापीठस्य सूचनापट्टे प्रकाशयिष्यते)

आवेदनपत्रेण सह अवश्यं स्मरणीयानि संलग्नकानि

- आवेदनपत्रे संलग्नं प्रवेशपत्रं पूर्णरूपेण पूरणीयम्।
- आरक्षणार्थमन्यलाभार्थञ्च स्वप्रमाणितप्रमाणपत्राणां प्रतिलिपयः नूनं संयोजनीयाः।
- निर्धारितस्थाने नवीनतमं रञ्जितं छायाचित्रं (कलर्ड फोटो पासपोर्ट साइज) संश्लेषणीयम्।
- परीक्षाप्रवेशपत्रप्राप्तये स्वसङ्केतलिखितं पत्रपुटकं संयोजनीयम्।

मूल्यम् : 550/ रूप्यकाणि
धनादेशपत्रम् : 600/– रूप्यकाणि
(डाकद्वारा)